शैक्षिक सत्र–2026–27

विषय–कृषि

कक्षा–10

पूर्णांक 100

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

इकाई–1–मृदा विज्ञान 7

मृदा जैव पदार्थ, उसके स्रोत, वितरण, संरक्षण और मिट्टी का प्रभाव, ऊसर, क्षारीय तथा अम्लीय मिट्टी और सुधार, भू–क्षरण, मिट्टी का कटाव, भू–संरक्षण के सामान्य उपाय।

इकाई–2–सिंचाई व जल निकास 5

(क) जल के स्रोत––कुँआ, नलकूप, बाँध, नहरें, तालाब, नदियाँ आदि।

(ख) सिंचाई की विधियाँ––अप्लावन, क्यारी, नाली, बेसिन, छिड़काव, बार्डर, ट्रिप सिंचाई आदि।

इकाई–3–खाद तथा उर्वरक 8

(क) अजैव खादें (उर्वरक), उनका वर्गीकरण, महत्व, अमोनियम सल्फेट, यूरिया, कैल्शियम, अमोनियम नाइट्रेट, सुपर फास्फेट, पोटैशियम क्लोराइड, डाई अमोनियम फास्फेट (डी0ए0पी0)

(ख) उर्वरकों के प्रयोग की विधियाँ

(ग) उर्वरक मिश्रण––विभिन्न फसलों के लिये उर्वरकों की आवश्यकता, उर्वरक मिश्रण बनाने के लिए परिकलन या जानकारी।

इकाई–4–भू–परिष्करण

5

(क) विभिन्न फसलों के लिए भू–परिष्करण की आवश्यकतोयें एवं उनका महत्व।

(ख) फसल की सुरक्षा तथा बागवानी के प्रमुख यंत्र––डस्टर, स्प्रेयर, सिक्रेटियर, हैजसियर, बडिंग तथा ग्राफ्टिंग नाइफ, थ्रेसर तथा ओसाई के यन्त्र

इकाई–5–आपदायें––दैवी आपदायें जैसे बाढ़, सूखा, भूकम्प, आग, अतिवृष्टि, उपलवृष्टि आदि का मूलभूत ज्ञान। इनका फसल या पर्यावरण पर प्रभाव तथा बचाव के उपाय। 2

इकाई–6–निम्न फार्म की फसलों की खेती–– 10

धान, मूँगफली, गेहूँ तथा गन्ना।

इकाई–7–सब्जियों की खेती–– 10

आलू, खरबूजा, फूलगोभी, टमाटर, लौकी, भिण्डी, प्याज।

इकाई–8–बागवानी–– 10

बाग के लिए भूमि का चुनाव, गृह उद्यान तथा फलोद्यान, प्रदेश की प्रमुख फसलों, जैसे आम, अमरूद, पपीता तथा नींबू की खेती।

इकाई–9–पशुपालन–– 8

डेरी उद्योग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान

(क) पशुओं की सामान्य देख–रेख तथा प्रबन्ध।

(ख) पशु आहार।

(ग) स्वच्छदोहन विधि, स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध।

(घ) दुग्धोत्पादन सम्बन्धी सामान्य जानकारी।

(ङ) सामान्य पशु रोग––बुखार, मुँहपका–खुरपका, रिन्डरपेस्ट, पेचिस, गलाघोटू के लक्षण तथा उपचार की विधियाँ।

इकाई–10–फल परीक्षण––फल तथा सब्जियों के परीक्षण की विधियाँ, फल व पदार्थों के नष्ट होने के कारण, डिब्बों का जीवाणु नाशन तथा डिब्बा बन्दी, फल तथा सब्जियों का निर्जलीकरण। 5

प्रयोगात्मक

1–बीज शैय्या तैयार करना।

2–उर्वरक, खरपतवार एवं बीजों की पहचान।

3–मौखिक

4–वार्षिक अभिलेख

प्रोजेक्ट कार्य

नोट :–निम्नलिखित में से कोई दो प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1–बाग लगाने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

2–उर्वरकों के प्रयोग करने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

3–स्प्रेअर का प्रयोग करने की विधि तथा सावधानियों का अध्ययन करना।

4–जैम बनाने की विधि का अध्ययन करना।

5–जेली बनाने की विधि का अध्ययन करना।

6–दुग्ध–दोहन की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

7–ड्रिप सिंचाई का अध्ययन करना।

8–सिंचाई के लिये नहरों की उपयोगिता का अध्ययन करना।

9–उत्तर प्रदेश की मृदाओं में फासफोरस एवं पोटाश पोषक तत्व का प्रयोग करना।

10– पशुओं में होने वाले खुरपका–मुंहपका रोग एवं अन्य सामान्य रोगों के लक्षण व उनके उपचार की विधियों का अध्ययन।

नोट :–प्रयोगात्मक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन–		**30 अंक**
1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन – (प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)	अगस्त माह	10 अंक
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन –(प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)	दिसम्बर माह	10 अंक
3–तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन–(चार यूनिट टेस्ट आधारित)		10 अंक
(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश ग्रहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोटः–चारों यूनिट टेस्ट के प्राप्तांकों के योग को 10 अंक में परिवर्तित किया जाय।